**Mr. Speaker:** I am making it one hour. But that would be from the next session not today. Shri Bagri.

**Shri Nath Pai** (Rajapur): That means I have not committed anything wrong as it was originally thought.

**Mr. Speaker:** The wrong committed remains there. If something good comes out of the wrong committed, the wrong committed remains a wrong.

**Shri Nath Pai:** Something good has come out of this. It is the result that should be judged.

---

**12.57 hrs.**

## CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

### REPORTED EXPLOSION OF TWO BOMBS IN BARAMULLA ON 28TH SEPTEMBER, 1964

**श्री बागड़ी** (हिसार) : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गृह-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :—

> "28 सितम्बर, 1964 को बारामूला, जम्मू और काश्मीर, में बम विस्फोट की दो घटनाओं का समाचार"।

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हाथी)** : 28 सितम्बर, 1964 को लगभग 12.30 बजे दो विस्फोट हुए—एक बारामूला में तहसील भवन के बाहर और दूसरा बारामूला जिले में जेहलम नदी पर पुल के नीचे। उस पुल को हल्का नुकसान पहुंचा। था। तहसील मुख्यालय के समीप भवन को कोई क्षति नहीं पहुंची। ये विस्फोट युद्ध विराम रेखा के भीतर 15 मील की दूरी पर हुए। पुलिस के कुत्तों की सहायता से जांच प्रारम्भ हो गई है। सैनिक विशेषज्ञ भी सहायता के लिये बुला लिये गये हैं।

**श्री बागड़ी** : जम्मू काश्मीर के अन्दर अमन चैन की जो परिस्थिति है वह शुरू से ही इसी तरीके की रही है और इसका कारण है कभी शेख और कभी बख्शी का, एक न एक का जेल में रहना। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस पर फिर से विचार करने का इरादा रखती है ?

**श्री हाथी** : जो विस्फोट बमों के होते हैं उसका कारण मैंने हाउस के समक्ष रख दिया है। हम मानते हैं कि पाकिस्तानी स्पाइज का, एजेंट्स का यह काम है। इन से किसी और का कोई ताल्लुक नहीं है।

**श्री हुकम चन्द कछवाय** (देवास) : काश्मीर में इस प्रकार की जो घटनायें घटित होती रही हैं और हाल ही में जो इनकी संख्या में वृद्धि हुई है, इसका प्रमुख कारण है बख्शी साहब को जेल में बन्द करना। इन सारी घटनाओं पर विचार करने के बाद क्या सरकार धारा 370 को समाप्त करने जा रही है ?

**श्री हाथी** : धारा 370 को समाप्त करने का प्रश्न इसमें तो नहीं उठता है लेकिन जैसा पिछली बार मैंने हाउस में कहा था 1957 से बम वगैरह की घटनायें चल रही हैं।

**13.00 hrs.**

मेरे ख्याल से काश्मीर की जो हालत है वह इतनी ज्यादा खराब है, ऐसा सरकार नहीं मानती है।

**Shri Hem Barua** (Gauhati): In the latest broadcast made by President Ayub Khan some two days back, he has said 'We will never reconcile to the forcible occupation of Kashmir by India'. If so, in that context, may I know whether our Government are by now convinced that Pakistan has launched a two-fronted attack against India, namely (a) internationally a political manoeuvre against India, and (b) internally, inside the State, organising sabotage work with Indians as Pakistani agents?

**Shri Hathi**: So far as the internal organisation is concerned, as I have said, we suspect Pakistan spies. They may be agents within India; they may be so, but to that extent, they are working as agents of the other party. That way, Government are aware of these activities.

**Shri Hem Barua**: He has not replied to my question. There were two parts to my question; the first part was definitely about the political manoeuvre, internationally, and the campaign of slandar and calumny against us; I wanted to know whether Government were convinced of that or not.

**The Minister of Home Affairs (Shri Nanda)**: All that has been going on for a long time. We are certainly aware of all that.

**श्री नवल प्रभाकर (दिल्ली–करौल बाग)**: जैसा कि माननीय मंत्री जी ने कहा, जब विस्फोट हुए तो कुछ सैनिक अधिकारी और विशेषज्ञ बुलाये गये। मैं जानना चाहता हूं कि उन सैनिक अधिकारियों और विशेषज्ञों का क्या मत है ?

**श्री हाथी**: अभी उन की जांच की रिपोर्ट मेरे पास नहीं आई है।

**Shri P. Venkatasubbaiah** (Adoni): Apart from many of these Pakistani spies being in India, there is a large-scale suspicion that there is some infiltration in the Government services in Jammu and Kashmir also, which has been causing these frequent acts of sabotage and bomb explosions. If that is so, may I know whether this Government would advise the Jammu and Kashmir Government to screen their officers and see that such undesirable elements are weeded out?

**Shri Hathi**: We have no information about infiltration among the Jammu and Kashmir Government officials, but we have information about others coming in, and for dealing with that, we are strengthening the organisation there.

---

## INTRODUCTION OF DEPUTY MINISTERS

**The Minister of Communications and Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Sinha)**: With your permission, Sir, I present to you, and through you to this honourable House Shri P. S. Naskar and Shri Rameshwar Sahu who were sworn in by the President as Deputy Ministers of Health and Finance respectively on the 1st October, 1964.

---

**13·03 hrs.**

## *RE*: SITUATION IN JAMMU AND KASHMIR

**Mr. Speaker**: I shall allow one or two minutes to Shri Prakash Vir Shastri also, because he was feeling very much exercised that he must also have some chance.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर)**: अध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री जी यहां उपस्थित हैं। आप को स्मरण होगा कि पार्लियामेंट के 31 सदस्यों ने प्रधान मंत्री जी को एक पत्र लिख कर दिया था जिस की प्रतिलिपि आप को और संसदकार्य मंत्री दोनों को भेजी गई है। उसमें कहा गया था कि वे जम्मू और काश्मीर राज्य में अन्दर अन्दर जो स्थिति बहुत विस्फोटक रूप धारण करती जा रही है उस के संबंध में एक वक्तव्य दें। प्रधान मंत्री जी से मैं स्वयं मिला भी था। उन्होंने उस समय यह संकेत दिया था कि यदि सम्भव हुआ तो इस अधिवेशन के समाप्त होने से पहले माननीय गृह मंत्री जी इस संबंध में कोई वक्तव्य दगे, जिस से देश को और विशेषकर जम्मू और काश्मीर राज्य के लोगों को, जिन को इस स्थिति के बारे में कुछ सन्देह पैदा हो गया है, कुछ सन्तोष हो। गृहमंत्री जी यहां उपस्थित हैं। यदि आप उचित समझें तो उन्हें इस बात का अवसर दें। ताकि वे जम्मू और काश्मीर की स्थिति के बारे में सरकार की स्थिति को स्पष्ट कर सकें।